

DPN 6320

Title : महातन्त्र महास्तक ~~महा~~

MAHĀTANTRA MAHASTAKA ~~PATA~~

Run. No. 7011

Cat. No. 232

Micro. No.

Subject Tantra 177

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 31 x 4.8

Folios 8 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act / ~~patala~~ 7

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

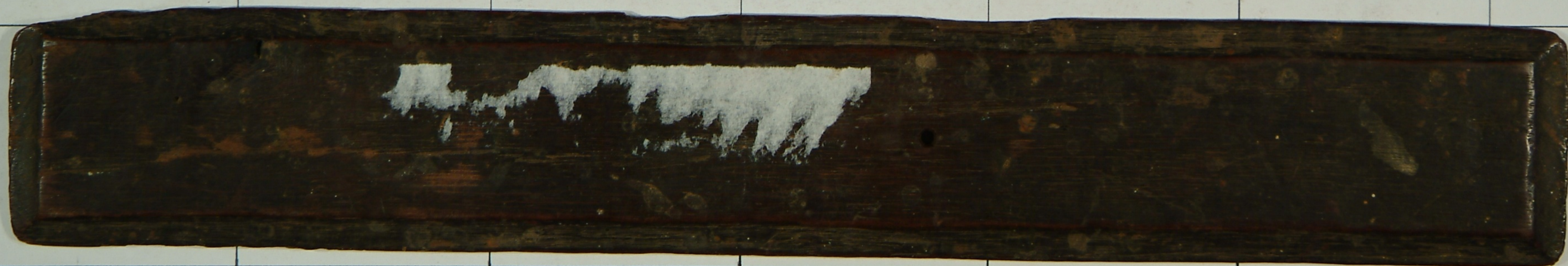
↓
ॐ नमः शिवायः ॥ ॐ अगवते (?) पादुपलाय अनुल विल वीज पराक्रमाय त्रिपञ्च नमनाय नाना
हियाय नाना ...

देव समाधि / ^Acolophon

इति कालान्त महातन्त्रे महाएक पत्र ॥ ६ ॥

टिप्पणी - अने अक्षरा कहीं पूरने, गरी कालः ही मरु, गरी खं कल्प

Remark - Some of portion seem incomplete, letters obliterated and illegible.



[illegible]

[illegible]

[Faded handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

यमस्य सां इहानां निधातय २४। नथातय दवा सवाला मर्त्यानां ममयात्तिता नारि सभा ॥ २४ ॥ यदुदय
०॥ निरुद्धिकाले शिवसुमिधिसिद्धीनका मानवात्मा किं विना विद्युद्यधम्भयः। दिव्यान्वकरो नाना मृत्यानां नादिना
सकता मध्याध्यामममोयना गननधनय वं सध्वान्कथयितुं क्लमसुताय ममावकता ॥ ०॥ मितालोयम
का कलमसु कथयतल ॥ ० ॥

विष्णुसहास्रनाम ॥ १॥

२४॥ यमस्य सां इहानां निधातय २४। नथातय दवा सवाला मर्त्यानां ममयात्तिता नारि सभा ॥ २४ ॥ यदुदय
०॥ निरुद्धिकाले शिवसुमिधिसिद्धीनका मानवात्मा किं विना विद्युद्यधम्भयः। दिव्यान्वकरो नाना मृत्यानां नादिना
सकता मध्याध्यामममोयना गननधनय वं सध्वान्कथयितुं क्लमसुताय ममावकता ॥ ०॥ मितालोयम
का कलमसु कथयतल ॥ ० ॥

...ल सच कल र थुलः रुय म का उ ना के न न म अ म उ ह द वा ...
 ता वा के के व म म थ ग धी रु व म य का न म म मा वा ध न वि धां को को नी न लु रि रा थु य मा स न ...
 व न य म ल ल थ ग क म थ य म न न द ... अ ध न य न न न धा ॥ को धा नी क म ... च ह म मा म न च य ...
 ल ल म ल थ ग यी ना न क ध यो ध ग धा ल ल ... लि म म थ लि का ध क ध री लि ...
 न द थ क व न क म क उं थि थि के व क नी थ ल को क नं ध न क री ...
 न म क उ न क नी ॥ रू ल क क य ... म न र अ न न र ...

...द ल लि क्षि ना ना ... न ग क न ना गा था लि ख न धा ... र य म ... ल य व उ य ...
 ता वा म की तथा ॥ यो म्या क क का वि धा क न म ला य म ड थ क व क ण म म ह द मा वा य ...
 क क उ ठ ठ गो न्या स र्ध धा ल क प्र व थो क म ह ना गा य क थ ल ल म उ क थ ध ण क ...
 क क उ ठ ठ गो न्या स र्ध धा ल क प्र व थो क क क क यो गि ना यो ग मि ह ना र र वा र न वा क यो र व वा यो ...
 ना क द ह्या ना थि वि षा ध क रा क स क क सि द क म यो ना थ म्य क ता न म ड क क क ...
 ॥ ड यो ना वि वि धं र्ध र्ध वि ड क यो नि क म ना थो म र ग वा क णा थ क लो मि थु म न र म मा क री म ड मा जो क ...

[illegible][illegible]

गनाकुरा॥३॥कृद्वेकालीया॥गण॥मापुका॥कपातमा॥त्कादवीकया॥नवनपाननी॥नकंवयिया॥निलेकमृदुष्टिसेहनकावणी॥ननकानामसंयनामयका॥
नानानोरयानिनामानिवद्वनानिनमा॥मुक॥रुगव॥
नीनायकिंगयमादनी॥साविजि॥साकनि॥वि॥वृ॥य॥
उमादवीनमा॥मुक॥गवनी॥यामू॥सी॥ग॥न॥नि॥वि॥
जि॥नी॥क॥नी॥ध॥व॥मा॥रु॥नी॥मा॥क॥व॥नी॥स॥था॥व॥या॥वा॥न॥क॥नि॥द॥वी॥म॥रु॥व॥य॥न॥
निका॥पिका॥द॥शी॥रु॥ग॥वा॥नि॥शाम॥र॥पि॥नी॥कानिका॥क॥सि॥द॥धु॥य॥का॥या॥प॥नि॥न॥मा॥मु॥क॥वि॥द॥म॥नि॥वि॥
नी॥व॥क॥सू॥न॥वा॥॥ऊ॥या॥य॥वि॥ऊ॥या॥द॥वि॥ऊ॥य॥नि॥मृ॥जि॥का॥य॥य॥सा॥जि॥का॥न॥रु॥डा॥ज॥नी॥क॥र॥था॥
नी॥पि॥नी॥व॥ट॥स्व॥नी॥व॥पि॥का॥या॥य॥ग॥य॥वा॥वि॥रु॥व॥न॥स्व॥नी॥य॥स्व॥य॥नी॥वि॥या॥ग॥य॥
नी॥पि॥नी॥व॥ट॥स्व॥नी॥व॥पि॥का॥या॥य॥ग॥य॥वा॥वि॥रु॥व॥न॥स्व॥नी॥य॥स्व॥य॥नी॥वि॥या॥ग॥य॥

२५

